an>

Title:Need to formulate a policy to stop erosion of river banks during floods.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र) : महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं आपके माध्यम से माननीय जल संसाधन मंत्री जी का ध्यान बिहार की तरफ दिलाना चाहता हूँ। जो बाढ़ और सुखाड़ से ग्रसित बिहार है, जहाँ लगातार एक तरफ कटाव हो रहे हैं और दूसरी तरफ सूखे की स्थिति है, मैं उसकी तरफ माननीय मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। लगभग 534 प्रखंडों में से 127 प्रखंड जो दियारा या टाल क्षेत्र है, वहाँ के लोग कटाव एवं विस्थापन से पूरी तरह पीड़ित हैं।

मेरे संसदीय क्षेत्र पाटलिपुत्र में गंगा नदी से मनेर और दानापुर दियारा बुरी तरह कटाव से पीड़ित हैं। यहाँ अनेकों लोग विस्थापित हो गये हैं, अनेकों गाँव कट गये हैं। इस बार भी बड़े पैमाने पर गाँव कट रहे हैं, मगर राज्य सरकार की तरफ से कोई ठोस उपाय नहीं किये जा रहे हैं। कटाव की स्थिति यह है कि लोकनायक जय प्रकाश जी का पैतृक गांव सिताब दियारा का सरयू नदी से कटाव के कारण नामो निशान मिटने की स्थिति में है। गंडक नदी से पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज तथा गंगा नदी से बक्सर से लेकर भागलपुर तक सैकड़ों गांव कटाव से बुरी तरह से प्रभावित हैं। बिहार की अन्य नदियों से भी विभिन्न इलाकों में कटाव हो रहा है। यहां प्रत्येक साल यह समस्या बनी हुयी है। बिहार के लोग इस समस्या का स्थाई समाधान चाहते हैं। इन इलाकों में गरीब लोग रहते हैं और वे हर साल विस्थापन का दंश झेलते हैं। बिहार सरकार कटाव पीड़ितों के राहत एवं पुनर्वास में सक्षम साबित नहीं हो रही है। लोग दर-दर भटक रहे हैं और वहां के लोग केंद्र सरकार की तरफ टकटकी लगाये हुए हैं। बिहार का जल-प्रबंधन बिना केंद्र सरकार के सहयोग से संभव नहीं है। बिहार के जल-प्रबंधन के लिए एक विशेष नीति बने और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर समुचित राशि का इंतजाम किया जाए।

मैं माननीय जल संसाधन मंत्री से मांग करता हूं कि कटाव के स्थाई समाधान के लिए अविलम्ब केन्द्रीय टीम भेजकर विशेष योजना बनायी जाए और राशि आबंटन कार्य शुरू कराया जाए। तत्काल राहत और पुनर्वास के लिए अलग से राशि आबंटित की जाए ताकि वहां जो बहुत मजबूर लोग हैं, वे परेशानी की हालत में हैं, उनका निपटारा हो सके। यह मेरा माननीय मंत्री जी से आग्रह होगा।

माननीय सभापति :

श्री अश्विनी कुमार चौबे अपने आपको श्री राम कृपाल यादव जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।